भोजपुरिया वेलफेयर सोसायटी, इन्दौर द्वारा छठ महोत्सव कार्यक्रम



भोजपुरिया वेलफेयर सोसायटी, इन्दौर द्वारा छठ महोत्सव कार्यक्रम 14 नव को आयोजित होगा जिसके रथ यात्रा राजवाड़ा से निकलकर पूरे इन्दौर में घूमेगी। भोजपुरिया वेलफेयर सोसायटी, इन्दौर के अध्यक्ष बटेश्वरनाथ सिंह, कोषाध्यक्ष विनोद सिंह बैस, मंकेश सिंह, शैलेश सिंह,श्रवण शर्मा जी,, हेमचन्द्र पोदार, राजेंद्र यादव जी,डी एस मिश्र जी,केशवसिंह, रामकिशोर पाल,मोहम्मद सिद्दीकी जी,अरुण शर्मा जी, विनोद श्रीवास्तव ,ने बताया कि चार दिवसीय छठ पूजा की शुरूआत 14 नव ,से शुरू हो रहा है

पूरे इन्दौर शहर में छठ महोत्सव की तैयारी हो रही है। भोजपुरी समाज प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी डिजिटल रथ यात्रा पूरे इन्दौर में 7 दिवस तक चला रहा है

बॉलीवुड सिंगर आर्यन ने की डॉ. काजी से मुलाक़ात



इंदौर (निप्र) : गत दिवस अपने इंदौर प्रवास पर बॉलीवुड के उभरते हुए युवा गायक आर्यम ने शहर के साहित्यकार, फ़िल्म एवं कला समीक्षक डॉ. वासिफ़ काजी से शिष्टाचार भेंट की । आर्यम इस वर्ष बॉलीवुड के भट्ट कैंप द्वारा निर्मित एवं अभिनेता इमरान हाशमी अभिनीत फ़िल्म ' आवारापन 2 ' के रोमांटिक गीत ' तुम्हारे लिए ' गाकर बहुत लोकप्रिय हुए हैं... अनेक सिंगल म्यूज़िकल वीडियोज़ को अपनी बेहतरीन एवं सुरीली आवाज़ से लोकप्रिय बनाने वाले आर्यम, सतना के गुज्जवा गांव के निवासी हैं और लम्बे समय से मुंबई में अपनी गायकी से इंडस्ट्री में पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं, स्वभाव से अत्यंत विनम्र एवं सुशील आर्यम ने डॉ. काजी को साक्षात्कार में बताया कि भट्ट कैंप से जुड़कर आवारापन 2 के लिए श्रेया घोषाल जैसी गायिका के साथ ड्यूट गाना हर सिंगर का सपना होता है और उनकी अथक मेहनत ने उन्हें यह सफलता दिलायी है । आर्यम ने डॉ. वासिफ़ काजी को बताया कि आगे उनके पास बहुत से स्थापित बॉलीवुड संगीतकारों के लिए गाने के ऑफर आये हैं, देखते हैं आने वाले समय में आर्यम अपनी जादुई आवाज़ से कैसे इंडस्ट्री में छा जाते हैं... उनकी इस सफलता पर विशाखा माहौर, आर. डी. माहौर एवं दोस्तों ने बधाई दी है... डॉ. वासिफ़ काजी के साथ आर्यम की बातचीत का संक्षिप्त वीडियो, डॉ. काजी के यूट्यूब चैनल और ?फ़ेबी प्रोफाइल पर उपलब्ध है....

'वीणा' के 1189वें अंक का लोकार्पण

इंदौर । श्री मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति द्वारा 1927 से निरन्तर



प्रकाशित की जा रही हिन्दी मासिक पत्रिका 'वीणा' के शताब्दी वर्ष में उसके 1189वें अंक का लोकार्पण नालन्दा विश्वविद्यालय के कुलपति एवं समिति के न्यासी डॉ. सचिन चतुर्वेदी ने किया। इस अवसर पर 'वीणा' के सम्पादक राकेश शर्मा एवं प्रधानमंत्री अरविन्द जवलेकर के साथ समिति परिवार से सर्वश्री घनश्याम यादव, डॉ. पुष्पेन्द्र दुबे, प्रदीप नवीन, डॉ. मीनाक्षी स्वामी, अरविन्द ओझा, डॉ. जी.डी. ओझा, राजेश शर्मा एवं संतोष मोहन्ती उपस्थित थे। डॉ. चतुर्वेदी ने कहा कि 'वीणा' पत्रिका हमारी अस्मिता है शताब्दी शिखर पर पहुंचना हम सबके लिए गौरव की बात है। कुलपति का स्वागत समिति की ओर से किया गया। संचालन हरेराम वाजपेयी ने किया। आभार राकेश शर्मा ने व्यक्त किया।

मिथ्या दर्शन और मोह भी जीव को संसार में भटकाने और दुखी करने वाले

इंदौर । समय और हालात बदलते रहते हैं लेकिन धर्म, संयम, संस्कार और सिद्धांतों के प्रति हमारी निष्ठा कमजोर नहीं होना चाहिए। दूसरों के दोष देखने की बजाय हम स्वयं का आत्म निरीक्षण करें, अच्छी संगती अपनाएं और अपने जीवन को धर्ममय बनाएं। हस्तिपाल राजा के 8 स्वप्न केवल भविष्य के संकेत नहीं बल्कि वर्तमान में अपने आचरण को सुधारने की प्रेरणा भी है। ये प्रेरक विचार हैं मुनिराज श्रीनिर्वाण मुनि म.सा. के, जो उन्होंने अरिहंत जैन आराधना भवन विंध्याचल नगर स्थानक भवन में साधुमार्गी जैन समता संघ एवं वर्धमान श्रावक संघ विंध्याचल नगर तत्वावधान में चल रहे चातुर्मास महोत्सव की धर्मसभा में भगवान महावीर स्वामी द्वारा हस्तिपाल राजा को बताए गए 8 स्वप्नों के फल का प्रेरक विवेचन करते हुए उक्त विचार व्यक्त किए। संघ के अध्यक्ष पारस बोहरा एवं मीडिया प्रभारी मनीष बोहरा ने बताया कि इस अवसर पर वर्धमान श्रावक संघ विंध्याचल नगर के अध्यक्ष जितेन्द्र चोपड़ा एवं महामंत्री वीरेंद्र बोडाना ने सभी साधकों की अगवानी की। विंध्याचल नगर स्थित स्थानक भवन पर मुनिराज श्रीनिर्वाण मुनि म.सा. ने हस्तिपाल राजा को बताए गए 8 स्वप्नों के फल का विवेचन करते हुए कहा कि मिथ्या दर्शन और मोह ही जीव को संसार से भटकाने और दुखी करने वाले हैं। इन 8 स्वप्नों में भविष्य के सामाजिक, धार्मिक और आध्यात्मिक परिवर्तनों के गहरे संकेत समाहित हैं।

कार्टून कोना



सुबह 4 बजे से मैदान में उतरा सफाई अमला ; आयुक्त क्षितिज सिंघल ने राजवाड़ा, सराफा और सियागंज सहित प्रमुख बाजारों का किया निरीक्षण

दीपावली की रात सड़कों पर फैला कचरा, सुबह तक निगम ने कर दी सफाई

इंदौर। दीपावली की रात आतिशबाजी और देर रात तक बाजारों में चली गतिविधियों के बाद सड़कों पर जमा कचरे को साफ करने के लिए नगर निगम का अमला सुबह 4 बजे से मैदान में उतर गया। अतिरिक्त सफाई कर्मचारियों और संसाधनों की मदद से शहर के प्रमुख बाजारों, चौराहों और मार्गों पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया। निगम का दावा है कि सुबह होने तक प्रमुख बाजारों और सड़कों से



कचरा हटा दिया गया था।

नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने सुबह शहर के प्रमुख क्षेत्रों का दौरा कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने मधुमिलन चौराहा, जीपीओ चौराहा, सरवटे बस स्टैंड, सियागंज, महारानी रोड, राजवाड़ा, सराफा, कपड़ा मार्केट और बर्तन बाजार सहित विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इसके अलावा एमजी रोड, जवाहर मार्ग, विजय नगर, खजराना चौराहा और रिंग रोड पर भी सफाई व्यवस्था देखी।

:: पटाखों के अवशेष और बाजारों का कचरा हटाया ::

दीपावली पर देर रात तक हुई आतिशबाजी से सड़कों पर पटाखों के अवशेष जमा हो गए थे। वहीं, बाजारों में देर रात तक व्यावसायिक गतिविधियां चलने से दुकानों के बाहर भी कचरा फैल गया था। निगम ने अतिरिक्त सफाई अमले की तैनाती कर कचरे का उठाव कराया। प्रमुख मार्गों और बाजारों में झाड़ू लगाने के साथ सफाई व्यवस्था दुरुस्त की गई।

:: नियमित सफाई के निर्देश ::

निरीक्षण के दौरान आयुक्त सिंघल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दीपावली के बाद भी सफाई व्यवस्था में लापरवाही नहीं होनी चाहिए। प्रमुख बाजारों, व्यावसायिक क्षेत्रों और सार्वजनिक स्थलों पर नियमित सफाई के साथ कचरे का समय पर उठाव सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने शहर की स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी करने के निर्देश भी दिए।

महू में पारंपरिक रूप से मनाई गई धोक पड़वा

महू (इंदौर समाचार) दीपावली के अगले दिन यानी गोवर्धन पूजा पर सैन्य नगरी महू में 'धोक पड़वा' की सदियों पुरानी और अनोखी परंपरा इस बार भी पूरे उत्साह के साथ निभाई गई। भाईचारे, आपसी सौहार्द और बड़े-बुजुर्गों के प्रति सम्मान का प्रतीक माना जाने वाला यह त्योहार महू की एक विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान है।



सुबह से ही शहर की तंग गलियों से लेकर मुख्य मार्गों तक उत्सवी माहौल दिखाई दिया। स्थानीय मोहल्लों और मुख्य चौराहों तथा घरों पर रंगोली सजाकर आने वाले सभी लोगों का स्वागत किया गया। ढोल-नगाड़ों और आतिशबाजी के बीच युवाओं व बच्चों ने अपने से बड़ों के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद लिया और 'धोक देकर' पर्व की शुभकामनाएं दीं।

शहर के कई इलाकों जैसे मुख्य बाजार, सांघी स्ट्रीट मेन स्ट्रीट, छोटा बाजार मे मिलने आने वालों के अभिनंदन का तांता लग रहा।

राजनीतिक व सामाजिक मतभेद परे: इस मौके पर दलीय और सामाजिक मतभेद पूरी तरह से दरकिनार नजर आए। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने एक-दूसरे के घर जाकर धोक दी और गले मिलकर शुभकामनाएं बांटीं।

पारंपरिक पकवान और आत्मीयता: हर घर में मेहमानों का स्वागत पारंपरिक मिठाइयों, नमकीन और सूखे मेवों से किया गया। बुजुर्गों ने भी युवाओं को दीर्घायु और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद दिया।

महू की यह 'धोक पड़वा' परंपरा न केवल नई पीढ़ी को बड़ों के प्रति सम्मान का संस्कार देती है, बल्कि आज के दौर में भी सामाजिक ताने-बाने को मजबूत बनाए रखने की एक खूबसूरत मिसाल पेश करती है।

घर-घर से आए छप्पन भोग परोसे श्रीनाथजी को

इंदौर, । पालदा, न्यू आरटीओ रोड स्थित वरुण विक्ट्री परिसर में सोमवार को सैकड़ों अग्रवाल बंधुओं ने गोवर्धन पूजा में उत्साह के साथ भाग लेकर वहां गोबर से निर्मित गिरिराज पर्वत, भगवान श्रीनाथजी और प्रकृति की आकृतियां बनाकर पुण्य लाभ उठाया।



उत्सव में भगवान तिरुपति बालाजी के लिए दूध देने वाली देश की सबसे छोटे कद वाली कपिला-पुंगनूर नस्ल की कृष्णाएवं सुरभि नामक गाय-बछड़े भी पूरे समय श्रद्धा और आकर्षण के केन्द्र बने रहे।

वरूण विक्ट्री परिसर में लगभग 2 हजार समाजबंधुओं ने शामिल होकर गोवर्धन पूजा एवं कपिला गाय के दर्शनों का लाभ लिया। उत्सव एवं संस्था के प्रमुख संरक्षक अरविंद बागड़ी ने बताया कि हाईवे क्षेत्र पालदा से जुड़े 200 से अधिक परिवार तो इस उत्सव में शामिल हुए ही, सैकड़ों अन्य परिवार भी यह अद्भुत झांकी निहारने के लिए वरुण विक्ट्री परिसर पहुंचे। समाजसेवी राजू अग्रवाल राधे राधे एवं नंदकिशोर कंदोई के आतिथ्य में यहां गोवर्धन पर्वत की सुसज्जित झांकी और भगवान श्रीनाथ की आदमकद गोबर से निर्मित प्रतिमा तथा उस पर फूलों से किया गया श्रृंगार बाल-ग्वालों की टीम के साथ सतीश गोयल हरसूद के निर्देशन में किया गया। आयोजन से जुड़े मनीष अग्रवाल मन्नू, राजा पुरोहित, कविश गोयल, विक्रम मल्हार, विकास मित्तल विक्की, नारायण ऐरन, अभिषेक मित्तल सहित अनेक सहयोगी बंधु इस उत्सव की तैयारियों में जुटे रहे।

'साधना, संयम और आत्मकल्याण की ओर एक मंगलमय यात्रा' पुस्तक का भव्य विमोचन

इन्दौर अनुष्ठान आराधिका महासती डॉ. कुमुद लता जी महाराज के प्रवचनों के आधार पर संकलित पुस्तिका 'साधना, संयम और आत्मकल्याण की ओर एक मंगलमय यात्रा' का विमोचन दिवाकर दरबार, नरसिंह वाटिका, एयरपोर्ट रोड, इन्दौर में आयोजित भव्य समारोह में किया गया।

इस पुस्तिका में जनमानस के लिए प्रेरणादायी वक्तव्य तथा संकल्पमय चातुर्मास 2026 के मुख्य कार्यक्रमों की सचित्र झलकियां समाहित हैं। इस पुस्तिका में चातुर्मास की पूरी यात्रा को एक संग्रहणीय दस्तावेज के रूप में जनसाधारण के लिए उपलब्ध कराई गई है।

पुस्तक का विमोचन मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय जी ने किया। इस अवसर पर महावीर भवन ट्रस्ट के



अध्यक्ष अचल चौधरी, कार्याध्यक्ष एवं चातुर्मास प्रमुख डीपीन जैन, महामंत्री रमेश भण्डारी, चातुर्मास संयोजक प्रकाश भटेवरा, मुख्य समन्वयक जिनेश्वर जैन, सह संयोजक हेमन्त बोहरा, राजकुमार जैन, युवा समाजसेवी दीपक जैन भटेवरा सहित बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहे।

पुस्तिका का संकलन दीपक टीनू जैन व अभिमन्यु चौहान एवं उनकी पूरी टीम ने किया।

मंत्री जी ने कहा - चातुर्मास आत्म परिवर्तन की यात्रा हैआपने उद्बोधन में श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि चातुर्मास काल में साधु-संत एक स्थान पर रहकर धर्म आराधना, स्वाध्याय, साधना और प्रवचन के माध्यम से समाज को सही दिशा देते हैं।

'चातुर्मास चार महीनों की धार्मिक अवधि नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और आत्म परिवर्तन की एक सुंदर यात्रा है। यह हमें अपने विचारों, वाणी और व्यवहार को सुधारने की प्रेरणा देता है। '

उन्होंने आगे कहा -

'प्रवचन केवल सुनने के लिए नहीं, बल्कि जीवन में उतारने के लिए होते हैं। मेरे मन में इसी विचार के साथ संकल्पमय चातुर्मास 2026 की यात्रा को संजोने का ख्याल आया कि यह ऐसी यात्रा है, जिसमें ज्ञान से विचारों में उजाला हो, साधना से मन शुद्ध हो और अच्छे संस्कारों से जीवन को एक नई दिशा मिले। '

कार्यक्रम का संचालन जिनेश्वर जैन ने किया तथा आभार डीपीन जैन ने व्यक्त किया।

दीपावली पर थाना प्रभारी दिलीप पुरी को दी भावभीनी श्रद्धांजलि



इंदौर। दीपावली के पावन पर्व पर सक्रिय मानव अधिकार एवं न्याय संस्थान द्वारा 'एक दिया शहीदों के नाम' अभियान के अंतर्गत रीगल चौराहा, इंदौर पर कर्तव्य निर्वहन के दौरान वीरगति को प्राप्त खातेगांव के थाना प्रभारी शहीद श्री दिलीप पुरी जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।यह श्रद्धांजलि कार्यक्रम संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष बद्री प्रसाद वर्मा के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व एवं युवा नेता राहुल निहोरे के मुख्य उपस्थिति में आयोजित किया गया।इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने शहीद दिलीप पुरी जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर उनके अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा, देशभक्ति और सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि दीपावली केवल घरों को रोशन करने का पर्व नहीं है, बल्कि उन वीर सपूतों को याद करने का भी अवसर है, जिन्होंने देश और समाज की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। इस अवसर पर इंदौर समाचार से राहुल निहोरे, भगवा ऑटो रिक्शा चालक संघ के अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार त्रिपाठी सहित संस्थान के शहर अध्यक्ष विक्रांत ओबेरॉय, महिला प्रकोष्ठ शहर अध्यक्ष श्रीमती भारती जैसवार, शहर महासचिव रूपेश पाल, राऊ विधानसभा उपाध्यक्ष समीर तिवारी, मीडिया प्रभारी अजीजुर रहमान अंसारी, सक्रिय सदस्य तुषार ठेकेदार, आशुतोष श्रीवास्तव, राजेश जोशी, इमरान खान, मोहम्मद अफाक उपस्थित रहे।

इंदौर में एक्यूआई 266 तक पहुंचा

इंदौर (हरनाम सिंह)क्या पटाखे जलाना धार्मिक आस्था का अनिवार्य हिस्सा है, या इसे धार्मिक अस्मिता से जोड़कर एक अलग सामाजिक और राजनीतिक विमर्श खड़ा किया जा रहा है? इस वर्ष इंदौर में भी दीपावली के पटाखे जलाने से उत्पन्न ध्वनि और वायु प्रदूषण पर नागरिकों का ध्यान गया है।

दीपावली रोशनी, उल्लास और खुशियों का त्योहार है। यह अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक माना जाता है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से दीपावली के साथ एक गंभीर समस्या भी लगातार जुड़ती जा रही है। त्योहार के बाद ध्वनि प्रदूषण हवा में घुला जहरीला धुआँ, सांस लेने में परेशानी और अस्पतालों में बढ़ते मरीज इस उत्सव के दूसरे पक्ष की ओर हमारा ध्यान खींचते हैं।

इस वर्ष 8 नवंबर 2026 को दीपावली के अवसर पर पटाखों के व्यापक इस्तेमाल के बाद देश के अनेक शहरों में वायु गुणवत्ता में भारी गिरावट दर्ज की गई। मध्य प्रदेश भी इससे अछूता नहीं रहा। 10 नवंबर को प्रकाशित टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश के सात शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 से ऊपर पहुंच गया। इंदौर में भी वायु प्रदूषण 856 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक पहुंचने की खबर है। ये आंकड़े केवल पर्यावरण संबंधी चिंता नहीं हैं, बल्कि नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर चेतावनी हैं।

क्या सुनियोजित अभियान था?

दीपावली के अवसर पर पटाखे जलाना कोई नई परंपरा नहीं है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में पटाखे जलाने और न जलाने का सवाल धार्मिक पहचान तथा राजनीतिक विमर्श से जुड़ता दिखाई देने लगा है।

जब भी पर्यावरणविद, चिकित्सक या सामाजिक संगठन पटाखों से होने वाले प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हैं, तो कुछ लोग इसे हिंदू धर्म और दीपावली पर हमला बताने लगते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या इस वर्ष सुनियोजित अभियान के तहत अधिक पटाखे जलाए गए ? इस प्रवृत्ति का परिणाम यह होता है कि प्रदूषण और जनस्वास्थ्य का मूल प्रश्न पीछे छूट जाता है और बहस धार्मिक अस्मिता के इर्द-गिर्द घूमने लगती है।यहां एक बुनियादी सवाल है। क्या किसी धार्मिक त्योहार के नाम पर पर्यावरण और जनस्वास्थ्य की चिंता करने वालों को धर्मविरोधी ठहराना उचित है?क्या स्वच्छ हवा में सांस लेने का अधिकार किसी धार्मिक पहचान से निर्धारित होगा?